CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

29 जनवरी 2025 | वर्ष 12 | अंक 04 | बुधवार | ₹5

कपड़ा उद्योग रंग-बिरंगे कॅरिअर

03
टिप्स
लक्ष्य के साथ कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखकर भी प्रेजेंटेशन को बेहतर बनाया जा सकता है...

07
राहें यहां भी
बीए-एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स के जरिये लॉ और मानविकीय विषयों को एक साथ पढ़ सकते हैं...

रणनीति

आपके पास जो है उसी में खुश रहना सीखें

एक बार की बात है, एक छोटे-से गांव में एक साधारण पत्थर काटने वाला रहता था। हर दिन, वह चिलचिलाती धूप में अथक परिश्रम करता था। काम के अनुसार उसकी आय बहुत कम थी, लेकिन उसने कभी शिकायत नहीं की। एक दोपहर उसने एक अमीर व्यापारी को एक शानदार गाड़ी में गुजरते देखा। व्यापारी ने बढ़िया कपड़े पहने हुए थे, नौकरों से घिरा हुआ था। पत्थर काटने वाले ने सोचा, 'व्यापारी कितना भाग्यशाली है कि उसे ऐसी जिंदगी नसीब हुई है। काश मैं भी उसके जैसा बन पाता।' तभी एक आकाशवाणी हुई और वह भी व्यापारी के जैसा बन गया। हालांकि, एक दिन, जब सूरज तप रहा था, उसने देखा कि कैसे उसका धन भी उसकी गर्मी को रोक नहीं पा रहा था। उसने सोचा 'सूर्य एक साधारण व्यापारी से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। उसके मन में सूरज बनने की इच्छा जगी।' आकाशवाणी ने उसकी इच्छा पूरी की। वह सूरज बन गया। कुछ समय के लिए, उसे लगा कि वह अजेय है। लेकिन फिर, काले बादलों ने उसके प्रकाश को रोक दिया।

उसे एहसास हुआ कि बादल सूरज से भी ज्यादा शक्तिशाली हैं। उसने बादल बनने की इच्छा की और उसकी यह इच्छा भी पूरी हुई। फिर उसने देखा कि एक विशाल चट्टान उसकी बारिश से अप्रभावित खड़ी थी। निराश होकर, उसने सोचा, 'वह चट्टान मुझसे ज्यादा शक्तिशाली है। उसने चट्टान बनने का सोचा और बन गया।' एक दिन, पास में ही पत्थर के टूटने की आवाज गूंजी। उसने नीचे देखा कि एक इन्सान उस पर छेनी से वार कर रहा है। प्रत्येक वार के साथ, चट्टान के कुछ हिस्से टूटकर बिखर रहे थे। उसे एहसास हुआ कि पत्थर काटने वाला चट्टान से ज्यादा शक्तिशाली है। वह फिर से जो था, वही बनना चाहता था।' उसकी इच्छा पूरी हुई, और वह पत्थर काटने वाले के रूप में अपने साधारण जीवन में लौट आया। इस बार, उसने संतोष के साथ काम किया, यह जानते हुए कि उसकी असली शक्ति उसकी दृढ़ता और उसके दुनिया को आकार देने की क्षमता में निहित है।

कहानी की सीख : *घास दूसरी तरफ हरी लग सकती है, लेकिन सच्ची खुशी हमारे पास जो है, उसका सर्वोत्तम उपयोग करने में निहित है। शक्ति, सफलता और पूर्णता किसी और की तरह बनने की इच्छा से नहीं, बल्कि अपने भीतर की शक्ति को महसूस करने से आती है। अपनी विशिष्टता को अपनाएं और भाग्य को आकार देने के लिए कड़ी मेहनत करें।*

कमजोर इन्सान कभी किसी को माफ नहीं कर सकता। माफी तो ताकतवर इन्सानों का सर्वोत्तम गुण है।

- महात्मा गांधी

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

[redacted] [redacted]

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325
RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

बगैर एक्सपर्ट बनें दें अच्छा प्रेजेंटेशन

बेहतर प्रेजेंटेशन देने के लिए विशेषज्ञता की जरूरत नहीं होती है। लक्ष्य, चुनौतियों और कुछ बातों को ध्यान में रखकर दिए गए प्रेजेंटेशन से आप सामने वाले को प्रभावित कर सकते हैं...

जब आपको ऐसे लोगों के सामने प्रेजेंटेशन देना होता है, जिनमें कुछ ऐसे पेशेवर हों, जिनके पास उस विषय पर आपसे अधिक ज्ञान और विशेषज्ञता हो, तो यह आपके लिए थोड़ा असहज भरा हो सकता है। लेकिन यह आपके लिए मानसिक क्षमता का सही तरीके से इस्तेमाल करने का भी बेहतर अवसर होता है, जिसमें अन्य लोगों के दृष्टिकोण का सम्मान करना, आत्मविश्वासी होना और अपने दृष्टिकोण को सुधारना आदि शामिल हैं। कुछ बातों का ध्यान रखकर आप उन लोगों के सामने पूरे आत्मविश्वास के साथ सराहनीय प्रस्तुति दे सकते हैं, जो उस विषय पर आपसे अधिक जानते हैं।

■ खुद पर संदेह करने से बचें

नई जानकारी सीखना अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद करती है। हम अपने कौशल और आत्म-मूल्यांकन से किसी अन्य क्षेत्र में भी महारत हासिल कर सकते हैं। इसलिए अपने काम में एक अलग डोमेन के बारे में सोचें, जो आपको योग्य और अनुभवी बनाने में मदद कर सके। किसी विषय में एक्सपर्ट न होते हुए भी आप अपने कौशल और रचनात्मकता से उसका प्रेजेंटेशन बेहतर ढंग से कर सकते हैं।

मानसिक रूप से विनम्र बनें

अपने ज्ञान से सामने वाले को प्रभावित करने की कोशिश न करें। क्योंकि वो विषय के बारे में आपसे ज्यादा जानते हैं। इसलिए अपनी गलतियों को स्वीकार करें और उनमें सुधार करने का प्रयास करें, जो आपके लिए सकारात्मक साबित हो सकता है। बल्कि आप कुछ ऐसा कह सकते हैं 'मुझे पता है कि आप में से कई लोग इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, इसलिए मैं आज आपके अनुभव से सीखने के लिए उत्साहित हूं।' यह आपकी विनम्रता दिखाता है।

■ दूसरों के अनुभवों से सीखें

इस बात पर ध्यान दें कि सामने वाले के लिए क्या महत्वपूर्ण है। उनके लक्ष्य, चुनौतियां और केंद्र बिंदु क्या हैं, जिन्हें आप संबोधित कर सकते हैं खुद को उनकी रुचियों के अनुसार ढालें। इसलिए जहां आवश्यकता हो वहां उनके विचारों, सुझावों, मार्गदर्शन को स्वीकार करें।

■ अनुभवी पेशेवर हो सकते हैं हितधारक

आपके प्रेजेंटेशन में अनुभवी पेशेवरों का होना फायदेमंद हो सकता है, जो आपके ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। आप विशेष विषय के एक्सपर्ट नहीं हैं, लेकिन एक एक्सपर्ट के रूप में प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं, जो आपके लिए कॅरिअर को बढ़ावा देने वाला कदम हो सकता है।

■ विविध मीडिया का उपयोग करें

सिर्फ स्लाइड पर निर्भर न रहें। इसे वीडियो, डेमो, व्हाइटबोर्ड आदि के साथ मिलाएं। इससे दर्शक जुड़े रहेंगे और ध्यान लगाएंगे। रुचि बनाए रखने के लिए गति और प्रारूप में बदलाव करें।

कपड़ा उद्योग
रंग-बिरंगे कॅरिअर

हाई स्कूल डिप्लोमा से लेकर कॉलेज की डिग्री या सर्टिफिकेशन कोर्स करके इस क्षेत्र में बेहतर, संतोषजनक और मोटी तनख्वाह वाली नौकरियों की कमी नहीं है...

टेक्सटाइल की दुनिया कताई मिलों और फैशन डिजाइनरों की जानी-पहचानी छवियों से कहीं आगे तक फैली हुई है। हाल के वर्षों में, कम-ज्ञात नौकरी के अवसरों की एक श्रृंखला उभरी है, जो रोमांचक और संतुष्टिदायक कॅरिअर पथ प्रदान करती है। रंग-मिलान विशेषज्ञों से लेकर कपड़ा संरक्षणकर्ताओं तक, कपड़ा उद्योग अद्वितीय व्यवसायों का खजाना है, जिन्हें बस तलाशने की जरूरत है। हालांकि, इसके लिए सही योग्यता और कौशल प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। टेक्सटाइल उद्योग में कताई, बुनाई, रंगाई और कढ़ाई जैसे उत्पादों और प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। टेक्सटाइल उद्योग एक बहुत बड़ा उद्योग है। इस क्षेत्र में नौकरियां विनिर्माण और गैर-विनिर्माण, दोनों क्षेत्रों में हो सकती हैं। यदि आपके पास हाई स्कूल डिप्लोमा है, तो आप अधिकांश टेक्सटाइल कंपनियों में काम पा सकेंगे। हालाँकि, अगर आपके पास कॉलेज की डिग्री है या किसी मान्यता प्राप्त ट्रेड स्कूल या व्यावसायिक कार्यक्रम से किसी प्रकार का प्रमाणन है, तो इस उद्योग में नौकरी पाने के लिए आपके पास अधिक विकल्प होंगे।

प्रासंगिक शिक्षा प्राप्त करें इस क्षेत्र में कॅरिअर बनाने के लिए आप डिप्लोमा और सर्टिफिकेट से लेकर डिग्री तक के कोर्स कर सकते हैं।

■ **डिप्लोमा कोर्स:**

वस्त्र प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा।

हथकरघा प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा।

फैशन डिजाइन में डिप्लोमा।

■ **स्नातक डिग्री:**
वस्त्र और परिधान डिजाइन में बीएससी।
वस्त्र प्रौद्योगिकी में बीटेक।
फैशन डिजाइन में स्नातक (निफ्ट, पर्ल अकादमी, आदि)।
टेक्सटाइल डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन (बीडेस)
फैशन टेक्नोलॉजी में बैचलर (बीएफटेक)
फैशन डिजाइन में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए)

■ **स्नातकोत्तर डिग्री:**
वस्त्र प्रौद्योगिकी या तकनीकी वस्त्र में एमटेक।
फैशन प्रबंधन में एमबीए (निफ्ट और आईआईएफटी द्वारा प्रदान किया जाता है)।

■ **सर्टिफिकेशन:**
टिकाऊ वस्त्र, वस्त्र डिजाइन के लिए सीएडी, या वस्त्र बिक्री में सर्टिफिकेशन।
सिक्स सिग्मा: गुणवत्ता नियंत्रण और प्रक्रिया सुधार के लिए।

व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें
व्यावहारिक अनुभव सफल कॅरिअर की कुंजी है। आप पड़ा मिलों, परिधान कंपनियों या निर्यात घरों में इंटर्नशिप करके या पारंपरिक कपड़ा केंद्रों (जैसे, वाराणसी, जयपुर, सूरत) में बुनाई, रंगाई या छपाई सीखकर व्यावहारिक अनुभव हासिल कर सकते हैं इसके अलावा आप पारंपरिक वस्त्रों को बढ़ावा देने वाले गैर-सरकारी संगठनों के साथ भी जुड़ सकते हैं।

■ **प्रमुख कौशल विकसित करें**
ऐसे कौशल विकसित करें, जो उद्योग की मांगों के अनुरूप हों। इस क्षेत्र में तकनीकी कौशल के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स भी बेहद मायने रखते हैं। आप बुनाई, रंगाई, छपाई व कपड़े की फिनिशिंग का ज्ञान, टेक्सटाइल मशीनरी तथा कैड सॉफ्टवेयर से परिचित होना और फाइबर, यार्न के आलावा संधारणीय प्रथाओं को समझकर तकनीकी कौशल विकसित कर सकते हैं। सॉफ्ट स्किल्स के तहत रचनात्मकता, नवाचार, बेहतर संचार व बातचीत कौशल तथा समस्या-समाधान और विस्तार पर ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

■ **यहां मिलेंगे अवसर**
टेक्सटाइल डिजाइनर: परिधान और घरेलू साज-सज्जा के लिए कपड़े के पैटर्न, प्रिंट और रंग बनाएं।
फैशन डिजाइनर: कपड़ों की लाइनें, एक्सेसरीज़ और जूते डिजाइन करें।
टेक्सटाइल इंजीनियर: फाइबर उत्पादन से लेकर तैयार माल तक, कपड़ा निर्माण प्रक्रियाओं को विकसित और बेहतर बनाएं।
मर्चेंडाइजर: कपड़ा उत्पादों के उत्पादन और वितरण की योजना बनाएं और उसका प्रबंधन करें।
गुणवत्ता नियंत्रण विशेषज्ञ: सुनिश्चित करें कि कपड़ा उत्पाद गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं।
स्थिरता विशेषज्ञ: पर्यावरण और सामाजिक रूप से जिम्मेदार कपड़ा उत्पादन पर ध्यान दें।
अनुसंधान और विकास: नई सामग्रियों, प्रौद्योगिकियों और उत्पादन विधियों पर शोध करें।

■ **अन्य विकल्प भी हैं**
अगर किसी कारणवश आपका कॅरिअर कपड़ा उद्योग में नहीं चल पाता है, तो आप आसानी से फैशन उद्योग में प्रयास कर सकते हैं। आपको बस रंग, पैटर्न और विवरणों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। अगर आपको आधुनिक रुझानों के बारे में जानकारी है, तो आप आसानी से फैशन उद्योग या मार्केटिंग में अपना रास्ता बना सकते हैं। आप फ्रीलांस में भी अपना हाथ आजमा सकते हैं।

अपना नेटवर्क बनाएं

इस क्षेत्र में नेटवर्क बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना की डिग्री हासिल करना।पेशेवरों से जुड़ने के लिए उद्योग सम्मेलनों, व्यापार शो और नेटवर्किंग कार्यक्रमों में भाग लें और टेक्सटाइल एसोसिएशन (भारत) जैसे प्रासंगिक पेशेवर संगठनों से जुड़ें।इसके अलावा, उद्योग के पेशेवरों से जुड़ने और नौकरी के अवसरों का पता लगाने के लिए लिंक्डइन और अन्य पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफार्म का उपयोग करना बेहतर विकल्प है।

प्रमुख संस्थान

- राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) nift.ac.in
- आईआईटी, दिल्ली से वस्त्र प्रौद्योगिकी कार्यक्रम home.iitd.ac.in
- आईआईटी, कानपुर से वस्त्र प्रौद्योगिकी कार्यक्रम iitk.ac.in
- केंद्रीय रेशम बोर्ड (रेशम पालन प्रशिक्षण के लिए csb.gov.in
- सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र और प्रबंधन विद्यालय (कोयंबटूर) svpistm.ac.in

आम जनमानस को साथ लेकर चलने वाले गांधी जी का जीवन एक खुली किताब है, जिससे हर कोई सीख ले सकता है...

हमेशा प्रासंगिक बने रहेंगे 'बापू'

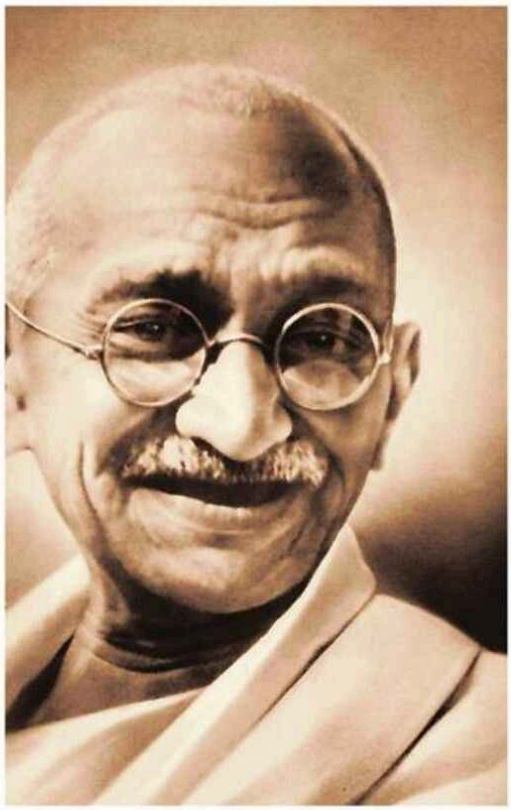

महात्मा गांधी को समय-समय पर *टाइम पत्रिका* के साथ-साथ विभिन्न देशों के अनेक संगठनों, संस्थाओं और पत्र-पत्रिकाओं ने महान शख्सियत माना है। हालांकि, महात्मा गांधी को एक महान शख्सियत सिद्ध करने के लिए किसी प्रमाण-पत्र की आवश्यकता नहीं है। उनका जीवन एक खुली किताब है, जिसे कोई भी पढ़ सकता है। संपूर्ण विश्व महात्मा गांधी का लोहा मान चुका है। गांधी जी ने इस संसार को एक नया रास्ता दिखाया। इधर पिछले कुछ वर्षों से भारतीय समाज गांधी जी के आदर्शों से दूर तो हुआ ही है, गांधी जी के संबंध में मनगढ़ंत और तथ्यहीन बातें करनी भी शुरू कर दी हैं।

रोहित कौशिक

विदेशों में गांधी जी के नाम पर रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं, विभिन्न संस्थाओं, संग्रहालयों और सड़कों के नाम गांधी जी के नाम पर रखे जा रहे हैं। यह विडम्बना ही है कि भाषणों के अतिरिक्त भारतीय समाज गांधी जी को उचित सम्मान नहीं दे पा रहा है। पश्चिम में सामाजिक हिंसा और बच्चों की हिंसा से चिंतित देश गांधी जी को प्रासंगिक मान रहे हैं और उनके विचारों को अपनाने की बात कह रहे हैं। इसके विपरीत भारतीय समाज में गांधी जी की कुछ गलतियों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जा रहा है। यह सिद्ध करने की कोशिश की जा रही है कि गांधी जी ने भारत की भलाई के लिए कम, भारत को नरक में धकेलने के लिए अधिक कार्य किया है। इस तरह की भ्रांतियों में देश का युवा वर्ग और पढ़ा-लिखा जिम्मेदार तबका भी शामिल है।

जिस राष्ट्र का समाज अपने देशभक्तों और महापुरुषों का हृदय से सम्मान नहीं कर सकता, उस राष्ट्र का समाज देश के प्रति ईमानदार कैसे हो सकता है? निश्चित रूप से दुनिया का कोई भी इन्सान आलोचना से परे नहीं है। लेकिन जब आलोचना में पूर्वाग्रह का छौंक लगता है, तो आलोचना करने वाले की ईमानदारी पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। जब-जब गांधी जी की आलोचना की जाती है, तब-तब गांधी जी और आंबेडकर के मतभेदों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। एक ही परिवार में रहने वाले दो लोगों के विचार किसी विषय पर भिन्न हो सकते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों एक दूसरे के विरोधी हों। दलितोत्थान डॉ. आंबेडकर का भी लक्ष्य था और गांधी जी का भी, लेकिन दोनों के तरीकों में अंतर अवश्य था। आंबेडकर ने गांधी जी को दलितों का उद्धारक नहीं माना। डॉ. आंबेडकर का केवल एक ही लक्ष्य था- दलितोत्थान, जबकि गांधी जी की सोच इससे परे भी थी। गांधी जी पर स्वतंत्रता आंदोलन की भी एक बड़ी जिम्मेदारी थी। डॉ. आंबेडकर संघर्ष के पक्षधर थे, जबकि गांधी जी स्वाभाविक रूप से लोगों का मानस परिवर्तन करना चाहते थे। गांधी जी खुद को एक आम आदमी मानते थे, लेकिन फिर भी वह एक विशिष्ट व्यक्ति थे। स्वतंत्रता संग्राम के समय सारा राष्ट्र उनकी ओर देख रहा था। गांधी जी की जीवनशैली से केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व चकित हुआ था। उन्हें आम आदमी की जितनी चिंता थी, उतनी तो उनके बाद शायद ही किसी नेता में रही हो। दरअसल उनका त्याग और बलिदान ही आज के नेताओं से उनकी दूरी को बढ़ाता है। आज के नेताओं को गांधी जी शायद इसलिए अच्छे नहीं लगते, क्योंकि गांधी जी ने अपने लिए कुछ नहीं किया, जो कुछ किया देश के लिए ही किया।

> ***यह दुःख की बात है कि स्कूली बच्चे शारीरिक श्रम को घृणा की दृष्टि से देखते हैं।- गांधी जी***

बेशक गांधी जी कई लोगों को अच्छे न लगें लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई भी इन्सान गांधी जी के खिलाफ कुछ भी बोल दे। किसी भी इन्सान को उनकी आलोचना करने से पहले अपने गिरेबान में भी झांक लेना चाहिए। निश्चत रूप से आप गांधी जी की आलोचना कीजिए लेकिन वाट्सएप विश्वविद्यालय के ज्ञान के आधार पर नहीं, ठोस तथ्यों के आधार पर। एक आदमी, जिसने जीवन में समाज और देश के लिए कुछ भी नहीं किया हो, वह अगर गांधी जी की आलोचना करता है, तो निश्चित रूप से यह बात दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां विचारणीय प्रश्न यह है कि गांधी जी के विरोध में इतना हल्ला मचाने के बाद भी क्या आज गांधी जी की प्रासंगिकता कम हुई है? क्या गांधी जी के विरोध में खुलकर कोई संगठन खड़ा हो सका है? दरअसल, गांधी जी की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं था। उन्होंने यह कभी नहीं चाहा कि उनके नाम पर कोई वाद चलाया जाए। गांधी जी स्वयं अपनी गलतियों को बार-बार उजागर करते रहते थे। गांधी जी की प्रासंगिकता न तो आज ही कम हुई है और न ही आने वाले समय में कम होगी। हम भौतिकता और आधुनिकता के जितने निकट जाएंगे, गांधी जी की प्रासंगिकता उतनी ही अधिक बढ़ती चली जाएगी।

मानविकी विषयों के साथ बनें लॉ एक्सपर्ट

12वीं के बाद एकल प्रवेश परीक्षा के जरिये बीए और एलएलबी की पढ़ाई एक साथ कर सकते हैं...

अगले महीने से यूपी बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। छात्रों के मन में अभी से तमाम तरह की दुविधाओं ने जन्म लेना शुरू कर दिया होगा कि स्नातक में किस कोर्स में प्रवेश लेना सही रहेगा। कानून और मानविकी के क्षेत्र में कॅरिअर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए ऐसा ही एक कोर्स है बीए-एलएलबी। बीए एलएलबी भारत में एक स्नातक विधि इंटीग्रेटेड कोर्स है, जो कला या सामाजिक विज्ञान में पारंपरिक शैक्षणिक शिक्षा को व्यावसायिक कानूनी शिक्षा के साथ जोड़ता है।

■ कोर्स के लिए जरूरी पात्रता

बीए एलएलबी के पांच साल के इंटीग्रेटेड कोर्स में दाखिला लेने के लिए कुछ कॉलेज 12वीं के अंकों के आधार पर, तो कुछ कॉलेज राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय प्रवेश-परीक्षाओं जैसे सीएलएटी, एलएसएटी-इंडिया, एमएच सीईटी लॉ के माध्यम से प्रवेश लेते हैं। विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए आप स्नातक करने के पश्चात एलएलएम और पीएचडी भी कर सकते हैं।

■ कोर्स करने के फायदे

बीए एलएलबी की डिग्री संवैधानिक, कॉरपोरेट, आपराधिक, पारिवारिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का व्यापक ज्ञान प्रदान करती है। साथ ही एक वकील के रूप में, ग्राहकों, न्यायाधीशों और कानूनी पेशेवरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम बनाता है। यह कोर्स राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और इतिहास जैसे मानविकी विषयों के साथ कानून के अध्ययन को जोड़कर बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

■ एडवोकेट बनने की पंजीकरण प्रक्रिया

लॉ के क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से ऑल इंडिया बार काउंसिल परीक्षा का आयोजन किया जाता है। अभ्यर्थी बीसीआई से प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद न्यायालय में प्रैक्टिस कर सकते हैं।

■ बीए एलएलबी के बाद की राहें

आप वकील, कानूनी सलाहकार के रूप में लॉ फर्म, कॉरपोरेट लीगल डिपार्टमेंट, न्यायिक सेवाओं, सिविल सेवाओं, कानूनी अनुसंधान और शिक्षा, वैकल्पिक विवाद समाधान, एनजीओ, कानूनी पत्रकारिता आदि क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली विश्वविद्यालय
  https://www.du.ac.in
- जामिया मिलिया इस्लामिया
  https://jmi.ac.in
- बनारस हिंदु विश्वविद्यालय
  https://bhu.ac.in
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय
  https://www.allduniv.ac.in
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
  https://nludelhi.ac.in

बढ़ाएं सामान्य ज्ञान

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए। आइए, ऐसे ही कुछ प्रश्नोत्तरों पर विचार करते हैं...

1. पांड्य साम्राज्य की राजधानी मदुरै के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसे मदुरैकंची में एक बड़े भव्य नगर के रूप में वर्णित किया गया है, जिसके तीनों ओर दीवारों और चौथी तरफ वैगई नदी है।
2. अर्थशास्त्र में इसका उल्लेख उत्तम सूती वस्त्रों के केंद्र के रूप में किया गया है।
3. अन्य साहित्यिक स्रोतों में इसे एक प्रमुख शिल्प केंद्र के रूप में वर्णित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

जवाब: (d)

व्याख्या: प्राचीन साहित्यिक स्रोतों, जैसे कि संगम साहित्य, मदुरै को मदुरैकंची नामक एक भव्य नगर के रूप में वर्णित करते हैं। यह नगर तीन तरफ से दीवारों से घिरा था और चौथी तरफ वैगई नदी बहती थी। अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथों में मदुरै का उल्लेख उत्तम सूती वस्त्रों के केंद्र के रूप में किया गया है। अन्य साहित्यिक स्रोतों में मदुरै को मूर्तिकला, धातु विज्ञान, रत्नकला और हाथी दांत की नक्काशी जैसे शिल्पों का प्रमुख केंद्र बताया गया है।

2. संगीत पर आधारित कृति मान कौतूहल किसके संरक्षण में तैयार की गई?

(a) राजा मान सिंह (b) तानसेन
(c) मीराबाई (d) अमीर खुसरो

जवाब: (a)

व्याख्या: मान कौतूहल राजा मान सिंह तोमर के संरक्षण में बनाए गए एक ग्रंथ का नाम था। ग्वालियर के राजा मान सिंह तोमर (1486-1516) ध्रुपद को शुरू करने और मजबूत करने के पीछे प्रेरक शक्ति थे।

3. सुगम्य भारत अभियान के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह कार्यक्रम दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किया गया है।
2. इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए समावेशी समाज का विकास करना है।
3. दिव्यांगजनों के लिए पेंशन का प्रावधान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(a) 1, 2 और 3
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1

जवाब: (b)

व्याख्या: सुगम्य भारत अभियान भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए देश को अधिक सुलभ और समावेशी बनाना है। यह अभियान 3 दिसंबर, 2015 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा, असहयोग आंदोलन के कार्रवाई कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था?

(a) कांग्रेस संगठन को गांव और मोहल्ला स्तर तक पहुंचाना
(b) सरकार से संबद्ध स्कूलों और कॉलेजों का बहिष्कार
(c) कांग्रेस कार्य समिति द्वारा राज्य की कानून और व्यवस्था मशीनरी को नियंत्रण में लेना
(d) सरकार द्वारा दी गई उपाधियों और सम्मानों का परित्याग

जवाब: (c)

व्याख्या: असहयोग आंदोलन का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार के खिलाफ अहिंसात्मक असहयोग द्वारा स्वराज की प्राप्ति करना था। इस आंदोलन के अंतर्गत कई कार्रवाई कार्यक्रम शामिल थे, जिनमें से प्रमुख थे-

1. कांग्रेस संगठन को गांव और मोहल्ला स्तर तक पहुंचाना
2. सरकार से संबद्ध स्कूलों और कॉलेजों का बहिष्कार
3. आंदोलन का उद्देश्य अहिंसात्मक असहयोग था, न कि राज्य की कानून और व्यवस्था मशीनरी को अपने नियंत्रण में लेना।
4. इसमें सरकार द्वारा दी गई उपाधियों और सम्मानों का परित्याग करना शामिल था।

5. दिल्ली सल्तनत काल के दौरान हीरे का खनन निम्नलिखित में से किस स्थान पर किया गया था?

(a) अवध (b) खंभात
(c) पन्ना (d) लखनौती

जवाब: (c)

व्याख्या: दिल्ली सल्तनत काल के दौरान भारत में हीरे का खनन मुख्यतः पन्ना (वर्तमान मध्य प्रदेश) क्षेत्र में किया जाता था। पन्ना भारत के सबसे प्रसिद्ध हीरा खनन क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्र प्राचीन समय से ही हीरे के लिए जाना जाता है।

6. दिसंबर 2021 में प्रक्षेपित किए गए जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर, सूर्य की परिक्रमा करता है।
(b) यह लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर, पृथ्वी की परिक्रमा करता है।
(c) यह पृथ्वी से लगभग 10 लाख किलोमीटर दूर, अंतरिक्ष में स्थिर है।
(d) यह पृथ्वी से लगभग 3 से 5 लाख किलोमीटर दूर, चंद्रमा की परिक्रमा करता है।

जवाब: (a)

व्याख्या: जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप नासा, ईएसए और सीएसए द्वारा विकसित प्रमुख अंतरिक्ष टेलीस्कोप है। यह पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर, सूर्य-पृथ्वी के दूसरे लैग्रेंज बिंदु (L2) पर स्थित है। इसका उद्देश्य प्रारंभिक ब्रह्मांड, तारा और आकाशगंगा निर्माण का अध्ययन करना है।

एक पहल विश्व कल्याण की दिशा में

मां मातंगी दिव्य धाम जी, जामगांव में विश्व के पहले मां बगलामुखी यंत्र के आकार के बने हवन कुंड में 11 हजार किलो लाल मिर्च से हवन किया जा रहा है। यह धाम रायपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित है। 27 जनवरी से 29 जनवरी तक विश्वकल्याण हेतु मां बगलामुखी का विशेष अनुष्ठान किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश से भक्तों की उपस्थिति देखने को मिल रही है। यह विशेष अनुष्ठान शत्रु बाधा, रोग निवारण, उन्नति के लिए किया जा रहा है। पीली सरसों, हल्दी और सुखी लाल मिर्च मुख्य रुप से मां बंगलामुखी के पूजन में उपयोग किया जाता है, जिसके बिना मां बंगलामुखी का पूजन, यज्ञ अनुष्ठान अधूरा माना जाता है। इस महायज्ञ के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड ने अधिकृत प्रेस नोट जारी किया है।

सुशासन की बुनियाद है जवाबदेहिता

एक सशक्त नागरिक आंदोलन और राजनीतिक सुधार के प्रदर्शन में, जननीति (एक प्रमुख थिंक टैंक) और साड्डा खिडदा पंजाब फेडरेशन ने संयुक्त रूप से दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस और सार्वजनिक बहस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 'दिल्ली के लोगों के लिए मेनिफेस्टो' जारी किया गया। इसका उद्देश्य दिल्ली की राजनीतिक तस्वीर को बदलना और पंजाब के राजनीतिक भविष्य को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना है। इस कॉन्फ्रेंस को इंदर प्रीत सिंह, अभिषेक, अमन बंदवी और हरमीत सिंह ने संबोधित किया। इनके अलावा पूर्व नौकरशाहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन के सदस्यों और सिविल डिफेंस कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

कड़ी मेहनत को नजर अंदाज न करें

घड़ी डिटर्जेंट ने अपने नए अभियान 'देश की नींव' का शुभारंभ किया है, जो एक फिल्म के माध्यम से उन नायकों को सम्मानित करता है, जो हमारे देश की मजबूती की नींव रखते हैं। यह अभियान केवल एक मार्केटिंग पहल नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के कठिन प्रयासों का जश्न है, जो अक्सर नजर अंदाज कर दिए जाते हैं। यह दर्शाता है कि कैसे व्यक्तिगत मेहनत और एकता हमारे समाज की प्रगति में अहम भूमिका निभाती है। आरएसपीएल समूह के जेएमडी राहुल ज्ञानचंदानी ने कहा कि यह अभियान उन लोगों को सम्मानित करता है, जो निस्वार्थ भाव से एक बेहतर भारत के लिए काम करते हैं। यह अभियान सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा के साथ ब्रांड के जुड़ाव को भी दिखाता है।

दावोस तक भारत की धमक

स्विटजरलैंड के दावोस-क्लोस्टर्स में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की 55वीं वार्षिक बैठक में वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी बढ़ती प्रमुखता का प्रदर्शन किया। 'बुद्धिमान युग के लिए सहयोग' थीम वाले इस कार्यक्रम में पांच वैश्विक प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया- विश्वास का पुनर्निर्माण, विकास की पुनःकल्पना, लोगों में निवेश, ग्रह की सुरक्षा और बुद्धिमान युग में उद्योगों को आगे बढ़ाना। इसमें विभिन्न मंत्रियों सहित प्रमुख सरकारी अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए, सुनील कुमार गुप्ता ने ई-स्पोर्ट्स, गेमिंग और डिजिटल मनोरंजन जैसे उभरते उद्योगों को मान्यता देने का प्रस्ताव रखा।

हर एक प्रयास से बढ़ेगा मनोबल

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नोएडा ने अपना 78वां फाउंडेशन डे ग्रेटर नोएडा के सावित्री बाई फुले बालिका इंटर कॉलेज में मनाया। प्रोग्राम में इंडस्ट्रीज और सोसाइटी में क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को बढ़ावा देने के लिए बीआईएस के चल रहे प्रयासों के बारे में बताया गया। साथ ही, एयर कूलर मैन्युफैक्चरिंग में एक माइलस्टोन, आईएस 3315 सर्टिफिकेशन के लिए ऑल इंडिया फर्स्ट लाइसेंस प्राप्त करने के लिए नोवामैक्स को सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि राकेश खत्री जी थे, जिन्हें 'नेस्ट मैन ऑफ इंडिया' कहा जाता है, और डॉ. इंद्रजीत घोष जी, जो भारत के एमएसएमई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हैं, भी मौजूद थे। नोवामैक्स अप्लायंसेज के फाउंडर और सीईओ हर्षित अग्रवाल ने कहा, हम भारतीय मानक ब्यूरो से आईएस 3315 सर्टिफिकेशन के लिए ऑल इंडिया फर्स्ट लाइसेंस प्राप्त करने पर गर्व और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

कर्तव्यों का बोध होना जरूरी

ज्ञानंदा स्कूल, सेक्टर 109, द्वारका एक्सप्रेस-वे, में गणतंत्र समारोह में देशभक्ति, एकता और खेल भावना का सम्मिलित रूप देखने को मिला। हाउजेट क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 10 का आयोजन भी किया गया। इस आयोजन द्वारा छात्रों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों को उत्सव और सौहार्द के माहौल में एक साथ जोड़ा गया। मुख्य विशिष्ट अतिथि अमिताभ कांत, जो पर्यटन मंत्रालय में सयुंक्त सचिव, पूर्व क्रिकेटर मनोज प्रभाकर और राष्ट्रीय बैडमिंटन के उच्च खिलाड़ी विक्रमादित्य चौफला शामिल हुए। इस समारोह में विद्यालय के अध्यक्ष अशोक गुप्ता, सीईओ नकुल गुप्ता और निदेशक-प्रधानाचार्या डॉ. दीपिका राठी की उपस्थिति रहीं। अमिताभ कांत जी ने छात्रों और अभिभावकों को देश के प्रति उनके कर्तव्यों का बोध कराया और ज्ञानंदा विद्यालय के छात्रों को देश का सुनहरा भविष्य बताया।

शिक्षा में डिजिटल नवाचार

अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संस्था कल्प डीसेंट्रा फाउंडेशन और भारत की प्रमुख शिक्षा कंपनियों में से एक जी लर्न लिमिटेड ने हाई स्कूल शिक्षा में एंटरप्राइज-ग्रेड ब्लॉकचेन तकनीक को शामिल करने के लिए साझेदारी की घोषणा की है। यह शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फाउंडेशन एक परमिशन पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क का विकास और रखरखाव करता है, जो अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करके शिक्षा में डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देगा। यह डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) फ्रेमवर्क इस पहल के लिए तकनीकी आधार प्रदान करेगा, जिससे शैक्षणिक हितधारकों के बीच सहज सहयोग सुनिश्चित होगा और पूरे इकोसिस्टम में डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए, यह प्रदर्शन-आधारित ब्लॉकचेन छात्रवृत्तियां भी पेश करता है।

परीक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीपीसीएसी, आरओ-एआरओ, पुलिस कॉन्सटेबल, यूपीएसएसएससी आदि में करेंट अफेअर्स से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। थोड़ी-सी मेहनत करके इनमें पूरे अंक हासिल किये जा सकते हैं और सफलता पाई जा सकती है।

1. कौन-सा देश आधिकारिक तौर पर जनवरी 2025 में पूर्ण सदस्य के रूप में ब्रिक्स में शामिल हो गया है?
(a) सिंगापुर (b) मॉरीशस
(c) इंडोनेशिया (d) मलयेशिया

2. विश्व युद्ध अनाथ दिवस किस दिन मनाया जाता है?
(a) पांच जनवरी (b) छह जनवरी
(c) सात जनवरी (d) आठ जनवरी

3. दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्क के मामले में भारत का स्थान क्या है?
(a) पहला (b) दूसरा
(c) तीसरा (d) चौथा

4. कल्पेनी द्वीप किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है?
(a) लक्षद्वीप
(b) अंडमान और निकोबार
(c) तमिलनाडु
(d) पुडुचेरी

5. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के नए अंतरिक्ष सचिव और अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
(a) प्रह्लाद चंद्र अग्रवाल
(b) अनिल भारद्वाज
(c) वी नारायणन
(d) शिव प्रसाद

6. किस मंत्रालय ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए "कैशलेस उपचार योजना" शुरू की?
(a) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(b) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
(c) वित्त मंत्रालय
(d) गृह मंत्रालय

7. किस संगठन ने फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025 जारी की?
(a) विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ)
(b) विश्व बैंक
(c) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)
(d) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)

8. फ्लेमिंगो महोत्सव-2025 किस राज्य में मनाया जाता है?
(a) ओडिशा (b) तमिलनाडु
(c) केरल (d) आंध्र प्रदेश

9. भारत की पहली वाणिज्यिक उपयोगिता-स्केल बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली कहां स्थित है?
(a) किलोकरी, दक्षिणी दिल्ली
(b) अमरसर, जयपुर
(c) प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
(d) पोखरण, जैसलमेर

10. भारत और विदेशों में शोधकर्ताओं के लिए जीनोम डाटा को सुलभ बनाने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए पोर्टल का नाम क्या है?
(a) भारतीय जैविक डाटा केंद्र पोर्टल
(b) इंडियन जीनोमिक रिपोजिटरी पोर्टल
(c) जीनोम एक्सेस पोर्टल
(d) लाइफ साइंस डाटा बैंक

11. जोसेफ औन को किस देश का राष्ट्रपति चुना गया है?
(a) ओमान (b) लेबनान
(c) कतर (d) यमन

12. किस राज्य सरकार ने पार्थ योजना शुरू की है?
(a) उत्तर प्रदेश (b) झारखंड
(c) मध्य प्रदेश (d) बिहार

13. राष्ट्रमंडल देशों की संसदों (सीएसपीओसी) के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का मेजबान कौन-सा देश है?
(a) भारत (b) मलयेशिया
(c) बांग्लादेश (d) ऑस्ट्रेलिया

14. डेजर्ट नेशनल पार्क कहां स्थित है?
(a) पुष्कर (b) बीकानेर
(c) जैसलमेर (d) जोधपुर

15. किस मंत्रालय ने राष्ट्रीय नदी यातायात और नेविगेशन प्रणाली (एनआरटी और एनएस) लॉन्च की है?
(a) सड़क परिवहन और राजमार्ग
(b) बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग
(c) जल शक्ति मंत्रालय
(d) रक्षा मंत्रालय

16. जनवरी 2025 में जोरान मिलानोविक को किस देश के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है?
(a) क्रोएशिया (b) बुल्गारिया
(c) रोमानिया (d) बोस्निया

17. नेदुनथीवु द्वीप, जो हाल ही में खबरों में था, किस देश में स्थित है?
(a) बांग्लादेश (b) म्यांमार
(c) श्रीलंका (d) इंडोनेशिया

18. खो खो विश्व कप-2025 का मेजबान कौन-सा शहर है?
(a) बंगलूरू
(b) नई दिल्ली
(c) हैदराबाद
(d) चेन्नई

उत्तर-1. c, 2.b, 3.c, 4.a, 5.c, 6.b, 7.a, 8.d, 9.a, 10.a, 11.b, 12.c, 13.a, 14.c, 15.b, 16.a, 17.c, 18.b

नौकरी और स्टार्टअप दोनों एक साथ

आयरलैंड युवाओं के लिए ऐसे शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश करता है, जिनसे न सिर्फ वे बेहतर नौकरी तलाश कर सकते हैं, बल्कि स्टार्टअप शुरू करना का हुनर भी सीखते हैं....

■ आयरलैंड के एकेडमिक प्रोग्राम को क्या आकर्षक बनाता है, जो भारतीय छात्रों को लुभा रहा है?

आयरलैंड में शिक्षा का उच्च स्तर और सुप्रसिद्ध संस्थान हैं-जैसे ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन। प्रवेश के उच्च मानकों के संग भारतीय छात्रों को प्रवेश देने की खास रणनीति होने से यहां अमेरिकी मॉडल पर आवेदकों का आना सुनिश्चित किया जाता है। यह आईटी और इनोवेशन का गढ़ है। आयरलैंड में मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद दो साल का पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कार्य करने का वैश्विक अनुभव मिलता है।

■ पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा पर काम कर छात्र कैसे अपनी पढ़ाई और चुने हुए क्षेत्र में व्यावहरिक कार्य अनुभव के बीच संतुलन बना लेते हैं? इससे उन्हें क्या लाभ मिलता है?

आयरलैंड में पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा के जरिये छात्र आसानी से अंतरराष्ट्रीय कार्य अनुभव प्राप्त कर लेते हैं। आयरलैंड में फिनटेक, फाइनेंशियल सर्विसेज (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग से परे), मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग, आईटी और फार्मास्यूटिकल्स सभी उद्योग फल-फूल रहे हैं, तो वहां से ग्रेजुएट होने वालों के लिए पर्याप्त अवसर हैं।

■ आयरलैंड में इंटर्नशिप को लेकर क्या विशेष आकर्षण है? यह छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संपर्क प्राप्त करने में कैसे मदद करते हैं?

आयरलैंड में छात्र सबसे पहले व्यावहारिक अनुभवों और प्रोजेक्ट के माध्यम से लोगों से जुड़ते है। हालांकि, वे अकेले यह नहीं कर सकते, इसलिए उद्योग जगत से सहयोग करना एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह सहयोग न सिर्फ कोर्सवर्क

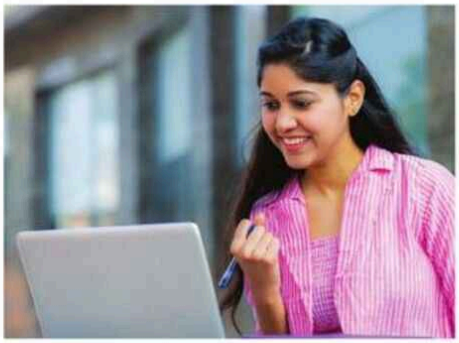

को बेहतर बनाने में मदद करता है, बल्कि इंटर्नशिप या नेटवर्किंग से संबंधित अवसर भी देता है। यहां छात्र वैश्विक कारोबार की आवश्यकता के अनुसार कौशल का विकास करते हैं। यही वजह है कि केपीएमजी के मार्गदर्शन में ऑडिट और अकाउंटिंग एनालिटिक्स पर समर स्कूल कोर्सवर्क का महत्वपूर्ण पहलू है। आयरलैंड की सरकारी एजेंसी, एंटरप्राइज आयरलैंड भी विभिन्न प्रोग्रामों और संसाधनों के जरिये छात्रों को नेटवर्क बनाने और उद्योग की प्रतिस्पर्धा समझने में मदद करती हैं। दूसरा पहलू उद्यमी बनने का अवसर है। आयरलैंड और इसकी शिक्षा व्यवस्था उद्यमी बनने में काफी मदद करती है। यहां के कई कॉलेज आंत्रप्रेन्योरशिप एवं इनोवेशन वेंचर मैनेजमेंट कोर्स की पेशकश करते हैं। यहां नए उद्यमों और उद्यमियों की मदद करने के लिए इनक्यूबेशन सेंटर भी हैं।

सुनीत सिंह
सीईओ, फतेह एजुकेशन

■ अहमदाबाद के छात्रों में आम तौर पर क्या खूबी रहती है, जिसकी वजह से वे विज्ञान, टेक्नोलॉजी या कॉमर्स में मजबूत नींव के लिए जाने जाते हैं?

गुजरात, खास कर अहमदाबाद के कई छात्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी उत्कृष्ट हैं, जिसमें इंजीनियरिंग, आईटी और फार्मास्युटिकल साइंसेज पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, क्योंकि इन क्षेत्रों में गुजरात का औद्योगिक और शैक्षणिक जोर है। अहमदाबाद के छात्र किसी भी परिस्थिति के अनुकूल हो जाने, विश्लेषण कौशल और अनुशासित शैक्षिक दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं।

■ छात्र कैसे अपने एकेडमिक प्रोग्राम को वर्तमान और भावी जॉब मार्केट की मांगों के अनुसार बना सकते हैं और किस तरह आयरलैंड में उपलब्ध स्कॉलरशिप का लाभ उठा सकते हैं?

आज छात्र क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, सस्टेनेबल ऊर्जा, वाटर इंजीनियरिंग, मेडटेक, खाद्य प्रौद्योगिकी, डिजिटल मार्केटिंग, एडवांस बायोमेडिसिन, जेनेटिक्स और फार्मास्युटिकल साइंस जैसे नए दौर के प्रोग्राम से जुड़ना चाहते हैं। ऐसे छात्रों के लिए आयरलैंड बजट का ध्यान रखते हुए आसान शुल्कों का विकल्प देता है। यहां के विश्वविद्यालयों से ग्रेजुएट होने के बाद अधिक मांग वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलते हैं।

■ स्कॉलरशिप और रोजगार

आयरलैंड काफी स्कॉलरशिप देता है। यूसीडी, टीसीडी, लिमरिक और गैलवे जैसे विश्वविद्यालय विभागीय स्कॉलरशि देते हैं। इसके तहत ट्यूशन फीस में लगभग 15-20 प्रतिशत की छूट देते हैं। आयरलैंड सरकार (जीओआई) की विशिष्ट छात्रवृत्ति से 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत खर्च पूरा हो जाता है। आयरलैंड में स्टडी करने का एक मुख्य लाभ पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा मिलना है। एक साल का मास्टर प्रोग्राम पूरा कर छात्र दो साल का पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा ले सकते हैं। इससे स्पांसर ढूंढने का दबाव नहीं रहता है और इस बीच अंतरराष्ट्रीय कार्य अनुभव भी मिल जाता है। इसके अतिरिक्त छात्र पार्ट-टाइम (20 घंटे/सप्ताह) और छुट्टियों में फुल-टाइम (40 घंटे/सप्ताह) काम कर सकते हैं।

■ निवेश पर लाभ

आयरलैंड के एक वर्षीय मास्टर प्रोग्राम के निवेश पर अच्छा लाभ मिलता है। भारत, अमेरिका या कनाडा जैसे देशों में दो वर्षीय प्रोग्राम की तुलना में यहां एक साल पहले काम से आमदनी शुरू हो जाती है। आयरलैंड में समय का लाभ मिलता है और भविष्य के कार्य क्षेत्रों में रोजगार भी, इसलिए यह दूरदर्शी लोगों की पहली पसंद भी है। छात्र मांग वाले कोर्स चुन कर स्कॉलरशिप का लाभ उठा सकते हैं।

'यूसीसी' लागू करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

यह एक ऐसा कानून है, जो हर धर्म या समुदाय के नागरिकों के लिए कानूनी प्रावधानों का एक समान नियम स्थापित करने का प्रयास करता है...

उत्तराखंड सरकार ने 27 जनवरी, 2025 को आधिकारिक तौर पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की, जिससे यह स्वतंत्रता के बाद यूसीसी को अपनाने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया। यूसीसी, जिसमें अनुसूचित जनजातियों और राज्य से बाहर चले गए मूल निवासियों को शामिल नहीं किया गया है, को राज्य विधानसभा ने फरवरी 2024 में पारित किया था।

■ समान नागरिक संहिता (यूसीसी)

समान नागरिक संहिता एक ऐसा कानून है जो सभी नागरिकों के लिए, चाहे वे किसी भी धर्म या समुदाय के हों, कानूनी प्रावधानों का एक समान सेट स्थापित करने का प्रयास करता है। यह विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, संपत्ति के अधिकार और गोद लेने के कानूनों को मानकीकृत करेगा।

■ यूसीसी की मुख्य विशेषताएं

यूसीसी कई व्यक्तिगत कानूनों को मानकीकृत करता है। यह विवाह के लिए एक समान कानूनी आयु निर्धारित करता है। पुरुषों के लिए यह 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष निर्धारित की गई है। इसमें बहुविवाह और 'हलाला' की प्रथा को निषिद्ध किया गया है। यूसीसी विवाह और तलाक के पंजीकरण को भी अनिवार्य बनाता है, जिससे सभी जोड़ों को कानूनी मान्यता मिलती है।

हलाला और इद्दत का उन्मूलन

■ यूसीसी हलाला और इद्दत की विवादास्पद प्रथाओं को समाप्त करता है।
■ हलाला के तहत तलाकशुदा महिला को अपने पूर्व पति से दोबारा शादी करने से पहले किसी दूसरे पुरुष से शादी करनी होती है।
■ इद्दत के तहत तलाक या अपने पति की मृत्यु के बाद महिलाओं को दोबारा शादी करने से पहले एक प्रतीक्षा अवधि का पालन करना होता है।
■ दोनों प्रथाओं को महिलाओं के अधिकारों पर उनके प्रभाव के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है।

■ ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल

विवाह, तलाक और लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीकरण की सुविधा के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है। यह घर बैठे पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा देता है, जिससे सुविधा और पहुंच मिलती है। आवेदक ई-मेल या एसएमएस के जरिये आवेदन को ट्रैक कर सकते हैं।

■ छूट और प्रयोज्यता

अनुसूचित जनजातियों और कुछ संरक्षित समुदायों को इसके प्रावधानों से छूट प्राप्त है।

WEEKLY DIARY

23 JAN

लद्दाख में खेलो इंडिया विंटर गेम्स का पहला चरण 23 जनवरी से 27 जनवरी तक लद्दाख में आयोजित किया गया। पहले चरण में कुल 594 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 428 एथलीट शामिल थे। इसका दूसरा चरण 22 से 25 फरवरी तक जम्मू-कश्मीर में बर्फीले खेलों के साथ शुरू होगा।

24 JAN

प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को बालिका दिवस बनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'सुनहरे भविष्य के लिए बच्चियों का सशक्तीकरण' पर आधारित है। इसकी स्थापना महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2008 में की गई थी, जिसका उद्देश्य समाज में बालिकाओं के अधिकार के प्रति जागरूकता फैलाना है।

25 JAN

युवाओं को चुनावी प्रक्रिया में मतदान में भाग लेने के लिए इस दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में 25 जनवरी, 2011 को पहला राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया था। इस वर्ष की थीम मतदान से बढ़कर कुछ नहीं, मैं निश्चित रूप से मतदान करूंगा" है।

नियुक्ति

■ रिलायंस पावर लिमिटेड ने नीरज पारख को अपना कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। पारख के पास 29 साल से ज्यादा का पेशेवर अनुभव है, जिसमें से 20 साल से ज्यादा उन्होंने रिलायंस समूह को समर्पित किए हैं। उन्होंने जून 2004 में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर में सेंट्रल टेक्निकल सर्विसेज टीम में अतिरिक्त प्रबंधक के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। अपने पूरे कॅरिअर के दौरान, उन्होंने नियोजन, परियोजना निगरानी, तकनीकी सेवाओं, संचालन, रखरखाव, खरीद और अप्रत्यक्ष कराधान में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

■ महेश कुमार अग्रवाल, तमिलनाडु कैडर के 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा

(आईपीएस) अधिकारी को सीमा सुरक्षा बल के अतिरिक्त महानिदेशक के तौर पर नियुक्त किया गया है। अग्रवाल इस पद पर चार वर्षों तक सेवा देंगे, जब से वह पदभार ग्रहण करते हैं या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो। इसके पहले अग्रवाल तमिलनाडु में सशस्त्र पुलिस के विशेष पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे।

■ न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति उपाध्याय ने 21 नवंबर, 2011 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाला। छह अगस्त, 2013 को उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। उनकी निष्पक्षता और न्यायप्रियता के कारण उन्हें न्यायिक क्षेत्र में उच्च सम्मान प्राप्त हुआ।

■ न्यायमूर्ति आलोक अराधे को बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश किया गया है। 60 वर्षीय न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने 1988 में अपने कानूनी कॅरिअर की शुरुआत की। तीन दशक से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने जटिल कानूनी मामलों को संभालने में भारतीय न्यायपालिका में एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है।

खेल

■ भारतीय ग्रैंडमास्टर इनियान पन्नीरसेल्वम ने मलयेशिया में आयोजित 9वें जोहोर इंटरनेशनल ओपन शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते

हुए जीत हासिल की। तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इस प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाए रखा और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 1.5 अंक आगे रहे।

■ वर्ष 2025 में भारत प्रतिष्ठित फिडे शतरंज विश्व कप की मेजबानी करने जा रहा है। इसका आयोजन 31 अक्तूबर से 27 नवंबर, 2025 तक आयोजित होगा। यह टूर्नामेंट नॉकआउट प्रारूप में होगा, जिसमें 200 से अधिक खिलाड़ी दुनिया भर से भाग लेंगे। यह टूर्नामेंट कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए एक प्रमुख क्वालीफायर के रूप में कार्य करता है, जो तीन योग्यता स्थान प्रदान करता है।

पुरस्कार

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के लिए असाधारण वीरता और निस्वार्थ सेवा के लिए 93 बहादुर कर्मियों को कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र, सेना पदक, नौसेना पदक और वायु सेना पदक से सम्मानित किया। ये पुरस्कार राष्ट्र के लिए उनकी असाधारण बहादुरी और निस्वार्थ सेवा को देने के लिए प्रदान किया जाता है।

■ गणतंत्र दिवस के मौके पर श्री दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री जगदीश सिंह खेहर, कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया, श्री लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम, श्री एम. टी. वासुदेवन नायर (मरणोपरांत), श्री ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत) व श्रीमती शारदा सिन्हा (मरणोपरांत) को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। अपने क्षेत्र में असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित किया जाता है।

■ श्री ए सूर्य प्रकाश, श्री अनंत नाग, श्री बिबेक देबरॉय, श्री जतिन गोस्वामी, श्री जोस चाको पेरियाप्पुरम, श्री कैलाश नाथ दीक्षित, श्री मनोहर जोशी (मरणोपरांत),श्री नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी, श्री नंदमुरी बालकृष्ण, श्री पी आर श्रीजेश, श्री पंकज पटेल, श्री पंकज उधास (मरणोपरांत), श्री रामबहादुर राय, साध्वी

ऋतंभरा, श्री एस अजित कुमार, श्री शेखर कपूर, सुश्री शोभना चंद्रकुमार, श्री सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत) और श्री विनोद धाम को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। अपने क्षेत्र में उच्च क्रम की विशिष्ट सेवा के लिए पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया जाता है।

■ श्री अद्वैत चरण गडनायक, श्री अच्युत रामचन्द्र पालव, श्री अजय वी भट्ट विज्ञान, श्री अनिल कुमार बोरो आदि को भी पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया गया।

विज्ञान और तकनीक

■ भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो अपने 100वें उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ इतिहास रचने वाला है। यह मिशन 29 जनवरी को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से GSLV-F15 NVS-02 मिशन के साथ होने वाला है।

WEEKLY DIARY

26 JAN

दुनिया के नंबर वन टेनिस प्लेयर यानिक सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम दर्ज कर लिया है। सिनर ने लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। वह जिम कुरियर के बाद एक ही ग्रैंडस्लैम को लगातार दो बार जीतने वाले युवा खिलाड़ी भी बन गए है।

27 JAN

हाल ही में, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के अंदर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कम से कम 12 संदिग्ध माओवादी मारे गए। यह छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में स्थित है। इसे सीतानदी और उदंती वन्यजीव अभयारण्यों के क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया था।

28 JAN

भारत का अपना ओलंपिक-स्टाइल मल्टी-स्पोर्ट इवेंट, 28 जनवरी, 2025 से देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हो गया है। यह खेल 14 फरवरी तक उत्तराखंड में जारी रहेगा। भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेल का यह 38वां संस्करण है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0750

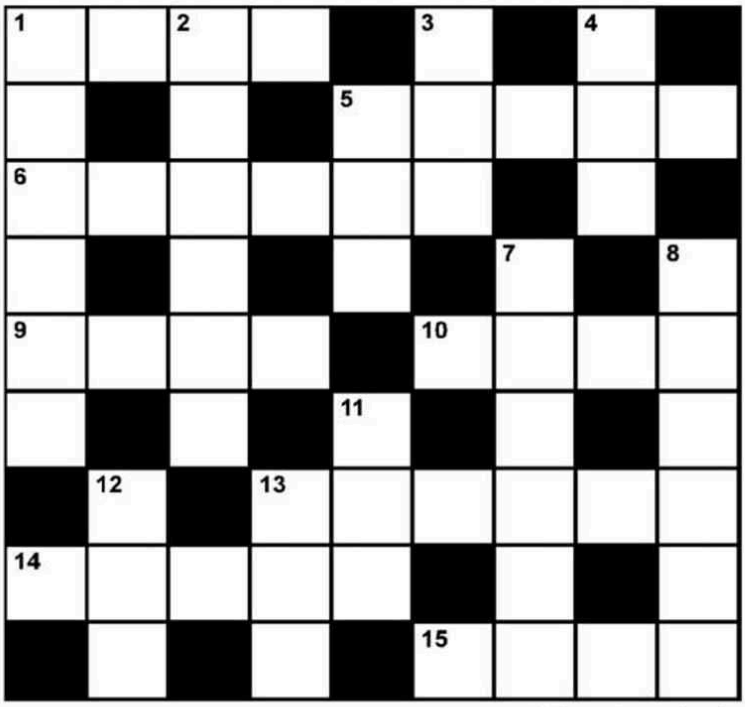

बाएं से दाएं: 8/38

1. गंभीरता; गहनता; गहरापन; गहरा होने का भाव; सतह से तल की लंबाई (4)
5. शरीर का भोजन पचाने का तंत्र (5)
6. दिखावटी इनकार करना; रूप अभिमान दिखाना; हाव भाव दिखाना (3,3)
9. राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किसी राज्य का सर्वोच्च अधिकारी (4)
10. तरफदारी; सहानुभूति के कारण किसी के पक्ष में किया गया समर्थन (4)
13. 1994 में दादा साहब फरल्के पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता (3,3)
14. तीरंदाजी खेल का उपकरण; धनुष बाण (5)
15. कई गांवों से बनी प्रशासनिक इकाई; क्षेत्र (4)

ऊपर से नीचे: 10/42

1. अमानत में Âयानत कराना; घपला करना; हिसाब किताब में गड़बड़ कराना (3,3)
2. 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान (2,4)
3. कन्या के संतान होने पर पिता द्वारा भेजा जाने वाला मांगलिक उपहार; अभिलाषा करना; कामना करना; तरसना; ललचना; रुचि उत्पन्न करना; शोभित होना; नाई; हज्जाम (3)
4. चित्रगुप्त के संगीत से सजी राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, ओम प्रकाश, मोहन चोटी की फिल्म; उड़नेवाला; कनकोवा; गुड्डी; चंग; तिलंगी; तुक्कल (3)
5. भारत करी एक अत्यल्पसंख्यक, अग्निपूजक जाति के लोग (3)
7. रावण का एक पुत्र; 'राउडी राठौर', 'वेलकम', 'हेरा-फेरी' आदि फिल्मों का प्रमुख अभिनेता (3,3)
8. चौकन्ना रहना; सचेत रहना; सावधान रहना (3,3)
11. रंग-बिरंगे बेलबूटों वाला बहुत मोटा और भारी बिछावन; काल का; काल से संबंधित (3)
12. उषा खन्ना के संगीत से सजी बी आर. इशारा निर्देशित शशि कपूर, जीनत अमान, मजहर खान, बीजू खोटे, सदाशिव की फिल्म; नारी; महिला (3)
13. बुद्धि; मस्तिष्क; समझ; भेजा (3)

-हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0749

■	1 ज	■	2 को	■	3 स	4 मो	सा	■
5 का	ल	भै	र	6 व	■	इ	■	7 अ
■	द	■	8 बा	त	म	न	वा	ना
9 एं	■	10 न	■	न	■	कु	■	र
11 ड	ग	म	ग	■	12 वि	रे	च	क
र	■	क	■	13 वा	■	शी	■	ली
14 स	ला	ह	क	र	15 ना	■	16 र	■
न	■	ला	■	17 सा	य	रा	बा	नो
■	18 का	ल	का	■	क	■	त	■

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

बचाव से होगी सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम

ह्यूमन पेपिलोमावायरस का संबंध सर्वाइकल कैंसर से होने की वजह यह जनस्वास्थ्य के लिए एक बेहद ही चिंताजनक समस्या है। चिकित्सा विज्ञान में तरक्की होने के बावजूद भी पूरी दुनिया में महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों के लिए सर्वाइकल कैंसर प्रमुखता से जिम्मेदार है। एचपीवी 200 से भी अधिक संबंधित वायरस का एक समूह है, जिनमें से कम से कम 14 कैंसरकारी प्रकार हैं। एचपीवी मुख्य रूप से यौन संबंध के जरिये फैलता है। यह बताते हुए नारायणा अस्पताल, गुरुग्राम के सीनियर कंसल्टेंट एवं क्लीनिकल लीड-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी के डॉ. देबाशीष चौधरी कहते हैं कि उच्च जोखिम वाले एचपीवी प्रकार वाले संक्रमण के लगातार बने रहने से सर्वाइकल कैंसर की समस्या हो सकती है। उच्च जोखिम वाले एचपीवी का प्रकार सर्वाइकल डिसप्लेसिया का कारण बन सकता है, जो कि गर्भाशय ग्रीवा की सतह पर असामान्य कोशिका की वृद्धि के रूप में कैंसर की पूर्व स्थिति होती है। यदि इसका इलाज न किए जाए, तो ये असामान्य कोशिकाएं समय के साथ सर्वाइकल कैंसर में तब्दील हो सकती हैं। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जांच के साथ-साथ एचपीवी वैक्सीन लगवाना भी एक अच्छा तरीका है। सामान्य तौर पर इसे किशोरावस्था से पहले लगाने की सलाह दी जाती है। कुछ मामलों में 45 वर्ष की उम्र तक भी यह वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर और अन्य कैंसरों से संबंधित सबसे सामान्य प्रकार के उच्च जोखिम वाले एचपीवी प्रकारों को लक्षित करता है। एक से ज्यादा सेक्सुअल पार्टनर, समय से पहले यौन रूप से सक्रिय होना, कमजोर इम्युन सिस्टम, धूम्रपान और गर्भनिरोधक गोलियों का लंबे समय तक सेवन करना इसके कारण हैं। डॉ. चौधरी बताते हैं कि सुरक्षित यौन आचरण, धूम्रपान से दूर रहकर, संतुलित आहार और इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाकर इससे निजात पाई जा सकती है। वैक्सीनेशन, नियमित जांच और जीवन जीने के तरीकों के महत्व को समझते हुए महिलाएं सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

SHREEPRAKASH SHARMA

PRINCIPAL
PM SHRI SCHOOL
JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA,
Garhbanaili,
District-Purnia

WORDS WIELD POWER

English is used as a lingua franca among the people of many countries across the world. Its importance as a foreign language, especially in the current milieu of the globalized world, cannot be easily gainsaid. The mastery of English refines the personality and facilitates the success. Let us perfect the knowledge of English to accomplish the dreams of our life.

Choose the closest meaning of the words given in the capital letters -

1. USURP
(A) to take control forcibly
(B) to rise fast (C) to assume
2. SEDITION
(A) demographic increase
(B) reality show
(C) rebellion against authorities
3. OBJURGATE
(A) to visit (B) to chide vehemently
(C) to defeat
4. PURLOIN
(A) to steal (B) to sleep
(C) to emphasize
5. ARCANE
(A) magnificent (B) controversial
(C) strange and mysterious
6. PORTEND
(A) to turn down (B) to foretell, to augur (C) to close
7. INNOCUOUS
(A) controversial
(B) something which is not harmful
(C) injurious
1.A 2.C 3.B 4.A 5.C 6.B 7.B

Choose the word most nearly opposite to the words given in the capital letters -
1. FLOURISH
(A) to fade (B) to underestimate
(C) to attain
2. FORTIFY
(A) to weaken (B) to develop
(C) to reassure
3. NARRATE
(A) to comply (B) to suppress (C) to rebuke
4. OFFEND
(A) to decide (B) to omit
(C) to gratify
5. ORDAIN
(A) to descend (B) to revoke
(C) to reinstate
6. SCRUTINIZE
(A) to overlook (B) to become reluctant (C) to resemble
7. PACIFY
(A) to empower (B) to provoke
(C) to destroy
1. A 2.A 3.B 4.C 5.B 6.A 7.B

LET US KNOW THESE PHRASAL VERBS

To take someone on - to give employment to someone (When the boss first took me on, he was very apprehensive of my capability.)

To lay into – to criticize someone very angrily (When her latest book came to market, the critics laid into him for the obscene materials and irrelevant plot.)

To play up
1. to deal with someone badly, (especially used in case of a child) (The children played up when the new teacher entered the class room.)
2. (of machine) not to work properly(The engine of the car is playing up again today.)
3. to emphasise or highlight a particular part of something(The new foreign exchange policy played up a lot of benefits to be gained by the people working overseas.)

To play someone up – to cause pain to someone (Her ankle was playing up. So she quit dancing in the party yesterday.)

To get ahead – to be successful (You will have to labour hard to get ahead in this career domain of cut throat - competition.)

To take on - to accept responsibility (The success does not come easily to a man's life. For this he must take on a lot of serious responsibilities and long hours of working. The opposition parties castigated the prime minister as an ineffective leader.)

WORD OF THE WEEK

CASTIGATE – verb, to subject someone to severe criticism, to scold someone harshly, to criticize strongly (The boss castigated his subordinates for not accomplishing their tasks assigned last week.
Synonyms
To chastise, to lambast, to censure, to objurgate.

SCHOLARSHIP ALERT

जेएन टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप 2025-26

जेएन टाटा एंडोमेंट ने विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने का सपना देख रहे छात्रों के लिए 'जेएन टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप-2025-26' की शुरुआत की है। इसका मुख्य उद्देश्य विदेश में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अगर आप स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्रीधारक छात्र हैं, तो इस स्कॉलरशिप में आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपने स्नातक या स्नातकोत्तर में न्यूनतम 60 फीसदी अंक प्राप्त किए हों। साथ ही, आपकी आयु 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्कॉलरशिप के लिए एप्टीट्यूड टेस्ट और विषय विशेषज्ञ के साथ साक्षात्कार के आधार पर चयन किया जाएगा। चयन के बाद आपको 10,00,000 रुपये तक की स्कॉलरशिप दी जाएगी। आवेदन करने के लिए आपके पास स्नातक अंतिम वर्ष का प्रमाण-पत्र, डिग्री, रिज्यूमे, अंग्रेजी भाषा का प्रमाण-पत्र (जीआरई/जीएमएटी/टीओईएफएल/आईईएलटीएस/पीटीई स्कोर कार्ड) व अन्य निर्धारित दस्तावेज होने चाहिए। स्कॉलरशिप के लिए आवेदन ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि : 07 मार्च, 2025
आवेदन लिंक : jntataendowment.org

ब्रिटेन में उच्च शिक्षा पाने का मौका

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने फेलिक्स स्कॉलरशिप-2025 की शुरुआत की है। यह भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों के प्रतिभाशाली वंचित छात्रों को ब्रिटेन के विश्वविद्यालय में दाखिला लेकर अपनी स्नातकोत्तर शिक्षा को आगे बढ़ाने का मौका देती है। इसका उद्देश्य छात्रों को अकादमिक अध्ययन, संस्कृतियों और अनुभवों के जरिये प्रोत्साहित करना है। छात्रवृत्ति की मदद से यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग और स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज में पढ़ने का अवसर मिलेगा। चयनित उम्मीदवार को पाठ्यक्रम शुल्क का सौ फीसदी और रहने व दैनिक खर्चों के लिए लगभग 18,300 जीबीपी (19,49,006.73 भारतीय रुपये) दिए जाएंगे। उम्मीदवारों का चयन उनकी योग्यता और पात्रता मानदंडों के आधार पर किया जाएगा। छात्रों के पास एक वैध वीजा, दसवीं से लेकर आखिरी शिक्षा तक की मार्कशीट और विकलांगता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

आवेदन की अंतिम तिथि : 31 जनवरी, 2025
आवेदन लिंक : felixscholarship.org

नरोत्तम सेखसरिया फाउंडेशन की पहल

नरोत्तम सेखसरिया फाउंडेशन की ओर से नरोत्तम सेखसरिया स्कॉलरशिप 2024-25 की पेशकश की जा रही है। किसी मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त किए छात्र इसमें आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त डिग्री कोर्स के अंतिम वर्ष में पढ़ने वाले या अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। आवेदक की आयु 31 जनवरी, 2025 तक 30 वर्ष से कम होनी चाहिए। चयनित छात्र ब्याज मुक्त ऋण का लाभ उठा सकते हैं, जिसके लिए छात्रों को केवल अपनी योग्यता प्रदर्शित करनी होगी। इसके अलावा, आपके पेशेवर और शैक्षणिक प्रश्नों के समाधान के लिए मेंटर भी उपलब्ध होंगे। आप चाहें तो फाउंडेशन के पिछले लाभार्थियों से जुड़कर अपने नेटवर्क का विस्तार कर सकते हैं और उनके अनुभवों से सीख भी सकते हैं। स्कॉलरशिप के लिए आवेदन ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि : 17 मार्च, 2025
आवेदन लिंक : webportalapp.com/sp/login/narotam_application_portal25

आज का एआई टूल

एआई: कौन बेहतर

चैटजीपीटी सर्च बनाम परप्लेक्सिटी सर्च

यह तुलना किस समस्या को हल करती है?

चैटजीपीटी सर्च और परप्लेक्सिटी सर्च जैसे एआई-आधारित सर्च टूल्स को चुनना भ्रमित कर सकता है। दोनों टूल्स विभिन्न आवश्यकताओं के लिए अनूठी ताकत प्रदान करते हैं।

कैसे एक्सेस करें:

चैटजीपीटी सर्च: सभी उपयोगकर्ताओं (मुफ्त सहित) के लिए उपलब्ध। chatgpt.com + मोबाइल एप।

परप्लेक्सिटी सर्च: फ्री क्विक सर्च और प्रो टियर्स उपलब्ध, ब्राउजर एक्सटेंशन और मोबाइल ऐप के साथ। www.perplexity.ai

विश्लेषण से मुख्य निष्कर्ष:

1. बेसिक एलएलएम (मॉडल):

चैटजीपीटी सर्च: जीपीटी-4o पर आधारित, सिंथेटिक डाटा जनरेशन तकनीकों से पोस्ट-ट्रेंड किया गया है।

परप्लेक्सिटी सर्च: कई मॉडल्स का उपयोग करता है, जैसे क्लाउड सॉनेट, जीपीटी-4ओ, ग्रोक-2 चैटजीपीटी o1, और प्रो मॉडल्स में 32के टोकन तक की क्षमता।

2. फ्री बनाम पेड एक्सेस:

चैटजीपीटी सर्च: फ्री उपयोगकर्ताओं को हर 5 घंटे में 10 क्वेरी की अनुमति।

परप्लेक्सिटी सर्च: फ्री उपयोगकर्ताओं के लिए अनलिमिटेड क्विक सर्च और पेड उपयोगकर्ताओं के लिए रोज़ाना 5 प्रो सर्च।

3. हॉलूसिनेशन (गलत जानकारी):

चैटजीपीटी सर्च: अनावश्यक सामग्री कम प्रदान करता है, लेकिन कभी-कभी स्रोतों का अभाव हो सकता है।

परप्लेक्सिटी सर्च: परीक्षण में पाया गया कि यह अधिक अनावश्यक सामग्री और गलत लिंक प्रदान करता है। दोनों टूल्स के लिए संदर्भों की पुष्टि करना जरूरी है।

4. सर्च स्पीड और लेटेंसी:

दोनों टूल्स तेज प्रतिक्रिया देते हैं, लेकिन रियल-टाइम सर्च इंजन की तुलना में थोड़े धीमे हैं। दोनों विज्ञापन-मुक्त हैं और फाइल/कोड क्वेरी को प्रभावी ढंग से संभालते हैं।

5. इंटरफेस:

चैटजीपीटी सर्च: टेक्स्ट-आधारित और सरल।

परप्लेक्सिटी सर्च: रंगीन फॉर्मेटिंग और हाइलाइट्स के साथ आकर्षक।

6. फॉलो-अप में संदर्भ प्रबंधन:

परप्लेक्सिटी प्रो मॉडल्स: 32k टोकन तक का समर्थन करते हैं।

चैटजीपीटी सर्च: विस्तारित वार्तालाप के लिए समान टोकन क्षमता प्रदान करता है।

7. विशिष्ट फीचर्स:

चैटजीपीटी सर्च: सत्यापन के लिए सोर्सेस साइडबार और ऑटो/मैनुअल सर्च ट्रिगर्स।

परप्लेक्सिटी सर्च: 'फोकस फिल्टर्स,' प्रो कोपायलट सर्च और फुटनोट्स के साथ सोर्स पारदर्शिता।

8. उपयोग के मामले:

चैट्जीपीटी सर्च: विस्तृत अध्ययन, तकनीकी प्रक्रियाओं और गहन स्पष्टीकरण के लिए आदर्श।

परप्लेक्सिटी सर्च: तेज़ ओवरव्यू, विज़ुअली नेविगेटेबल सारांश और व्यापक विषय अन्वेषण के लिए बेहतर।

- एआई एंड बियॉन्ड द्वारा, जसप्रीत बिंद्रा और अनुज मैगजीन के साथ